सीआरपीएफ समाचार

वर्ष 61 अंक 2 नवम्बर - दिसम्बर, 2015





Sh Prakash Mishra, DG CRPF & Smt Vimla Mehra, Chairperson 7th NCWP & Sr. Spl CP, Delhi presenting a memento to Sh Rajnath Singh, Hon'ble Union Home Minister at the Opening Ceremony of 7th National Conference of Women in Police



Sh Prakash Mishra, DG CRPF presenting a memento to Smt Maneka Gandhi, Hon'ble Union Minister for Women & Child Development during the Closing ceremony of 7th National Conference of Women in Police.
Smt Vimla Mehra, Chairperson 7th NCWP & Sr. Spl CP, Delhi is also seen.

चीफ पेट्रन: श्री प्रकाश मिश्र, महानिदेशक, संपादकीय सलाहकार मण्डल

अध्यक्ष: श्री के. दुर्गा प्रसाद, विशेष महानिदेशक (परिचालन व कार्य)

सदस्य: श्री आर.पी. सिंह महानिरीक्षक (कार्मिक), श्री आर.के. मिश्रा, महानिरीक्षक (संभरण), श्री जुल्फ़िकार हसन, महानिरीक्षक (परिचालन), श्री एम.पी.एस. नेगी, निदेशक, सीआरपीएफ अकादमी, श्रीमती अनुपम कुलश्रेष्ठ, उप महानिरीक्षक (प्रशासन), श्रीमती ऐनी एब्राहम, उप महानिरीक्षक (आसूचना), ब्रिगेडियर (रिटा.) एस.के. शर्मा, उप महानिरीक्षक (प्रशिक्षण)

सीआरपीएफ समाचार एक द्विमासिक पत्रिका है। इसमें प्रकाशित किये जाने वाले विचार लेखकों के व्यक्तिगत विचार हैं। विभाग की नीति से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है ।

- मुख्य संपादक

मुख्य संपादक :
भुवन चन्द्र खंडूरी

संपादक :
सत्येन्द्र सिंह

संकल्पना, संपादकीय सहायता व रूपरेखा:
तमाल सान्याल

चित्र :
जनसंपर्क फोटो सेल, महानिदेशालय और सीआरपीएफ यूनिट्स

संपादकीय कार्यालय :
महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, ब्लाक-1, केन्द्रीय कार्यालय परिसर, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003, दूरभाष: 24360649

महानिदेशक सीआरपीएफ की ओर से मुद्रित और प्रकाशित:
मित्तल एण्टरप्राइजेज, 2076, गोकुलशाह गली, सीताराम बाजार, दिल्ली-06

कवर फोटो कैप्शन:
श्री नरेन्द्र मोदी, माननीय प्रधानमंत्री संसद हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए

इस अंक में

महानिदेशक का संदेश	2
DG's Message	3
7th National Conference of Women in Police	4
PM pays homage to Martyrs of Parliament attack	13
CRPF stall in India International Trade Fair	14
Directorate Programme	15
DG's Field Visits	16
Internal Security Governance and Challenges for CRPF	18
It's your turn now	21
All India Police Duty Meet	22
CoBRA commandoes turn unlikely saviours	23
सैनिक के जीवन में एक मिनट का महत्व	24
मकान या घर (कविता)	24
स्वच्छ भारत अभियान (कविता)	25
चिट्ठी आई है (कविता)	25
Statue of Shaheed Constable Bhrigunandan Chaudhary unveiled: Book Released	26
GC Siliguri : Visit of Parliamentary Standing Committee	27
Miscellaneous Programmes	29
Duty First : RAF Glimpse	41
Promotions and Transfers	42
Achievements	43
CRPF in news	48



महानिदेशक का संदेश

14 महीने से अधिक समय तक बल की कमान संभालने के बाद मैं सेवानिवृत हो रहा हूं। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे विश्व के सबसे बड़े अर्ध सैनिक बल का नेतृत्व करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। ऐसा लगता है जैसे कल ही मैंने इस बल की बागडोर संभाली थी। विविध आंतरिक सुरक्षा मुद्दों का सामना करने के लिए बल के लगभग 80 प्रतिशत से भी अधिक अधिकारी व जवान देश के अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में तैनात है, जो पेशेवर प्रतिबद्धता एवं उत्कृष्टता से मुद्दों को निपटाने में सक्षम है। मैं मानता हूँ कि सभी अधिकारी एवं जवान हर चुनौती के सामने डटे रहे और आज मैं पूरे संतोष के साथ गर्व से सिर ऊंचा करके सेवानिवृत्त हो रहा हूं।

हालांकि केरिपुबल को अनेक प्रकार की मुश्किल चुनौतियों का सामना करना पड़ता है फिर भी मैं बल की प्रशंसा करता हूं कि वह अपने अनुभव और विविधता के गुणों और हर परिस्थिति में ढल जाने की अपनी क्षमता से सकारात्मक परिणाम देती है। वर्ष 2015 ऐतिहासिक वर्ष था, क्योंकि इसी वर्ष बल के अधिकारियों और जवानों ने 101 वीरता पदक अर्जित किए, जिससे यह बल एक कैलेण्डर वर्ष में सबसे अधिक वीरता पदक प्राप्त करने वाला देश का पहला बल बन गया है। यह हमारे लिए गर्व की बात है तथा हमें इस उपलब्धि को बनाए रखना होगा।

प्रत्येक मानव जीवन अमूल्य है। वर्ष 2015 में मारे गए राष्ट्र विरोधियों की तुलना में हमारा नुकसान कम हुआ है, क्योंकि उनके चौरानवे व्यक्तियों के प्रति हमने केवल नौ व्यक्तियों को ही खोया है और यह सब तभी संभव हो पाया है क्योंकि किसी भी आपरेशन से पहले हमने सही और सटीकता सुनिश्चित की और खुद को दुश्मन से बचाए रखा। बल ने बेहद खतरनाक इलाकों से अप्रत्याशित रूप से 1740 आईईडी बरामद करने में भारी सफलता हासिल की है और विरोधियों द्वारा हमारी बराबरी करने के अनेक प्रयासों को नाकाम कर दिया। इससे बल का मनोबल बढ़ा है, जिससे यह सिद्ध हुआ है कि सफलता से ही सफलता उपजती है। वर्ष 2016 में इसमें और बढ़ोतरी हुई, जिसमें नए साल के शुरू में ही बिहार सैक्टर ने शानदार सफलता हासिल की, जब 205 कोबरा ने शक्तिशाली सी.पी.आई. (माओवादी) के मध्य जोन के पांच प्रमुख माओवादियों को मार गिराया जिससे उनका मनोबल एवं लड़ने की क्षमता को भारी नुकसान हुआ। मुश्किल से एक महीना ही बीता था कि 215 बटालियन के बहादुर अधिकारियों एवं जवानों ने साथी बलों की सहायता से पी.बी.पी.जे.एस.ए.सी. के मिलिट्री आयोग प्रमुख खतरनाक माओवादी चिराग उर्फ रामचन्द्र महतो को मार गिराने में सफलता हासिल की और सी.पी.आई. (माओवादी) को अपूरणीय क्षति पहुंचाई। नवम्बर, 2011 में पश्चिम बंगाल के जंगल महल में किशन जी का सफाया करने के बाद यह बल के लिए एक बड़ी सफलता थी।

इस बल की कार्यशैली एवं इतिहास के साथ आपको भविष्य की बड़ी चुनौतियों के लिए हमेशा तैयार रहना होगा एवं उसके अनुकूल बनाना होगा, क्योंकि देश एक के बाद एक संकट का सामना कर रहा है। पूर्वोत्तर और जम्मू व कश्मीर राज्यों में शांति कायम करने में हमारी लगातार तैनाती का बहुत बड़ा योगदान है, परंतु स्थायी शांति के लिए लम्बा रास्ता तय करना होगा।

माओवादी प्रभावित क्षेत्रों विशेषकर छत्तीसगढ़ में, जहां पर विस्फोटों के परिणामस्वरूप घायलों की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है, हमारे जवानों को तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना चिंता का विषय रहा है। बासागुड़ा, भेजी, चिंतागुफा और चिंतलनार में फील्ड अस्पतालों की स्थापना के साथ, हम एक निश्चित सीमा तक इस आवश्यकता को पूरा करने में सक्षम हुए हैं। इसी के साथ-साथ बल को सुरक्षा संबंधी व्यय (SRE) उपलब्ध करवाया जा रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ में जवानों के रहने की दशा में निश्चित रूप से सुधार हुआ है। हमें इसके साथ-साथ दूसरे राज्यों में भी ध्यान देने की जरूरत है। बल में 10,331 आवासों और 55 बैरकों के निर्माण हेतु कैबिनेट की मंजूरी प्राप्त हो चुकी है।

कई अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करने की भारी जिम्मेदारी सौंपते हुए सरकार ने इस बल पर बहुत बड़ा विश्वास जताया है और हमें इस ड्यूटी को बहुत ही सावधानी एवं सतर्कता के साथ निभाने की जरूरत है।

भारत सरकार ने बल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने हेतु विचारशील निर्णय लिया है, जिस पर अनेक चरणों में अमल किया जाएगा। बल को इससे आगे सोचने की जरूरत है और इसके लिए स्वयं को तैयार करने की जरूरत है, क्योंकि इससे महिलाओं को उन जोखिम क्षेत्रों में भेजने के लिए तैयार करना है जिसमें इससे पहले अब तक उन्हें तैनात नहीं किया गया है। साथ ही उनके लिए ऐसा वातावरण भी तैयार करना है जिसमें वे पुरूष कार्मिकों के साथ समानता का भाव महसूस करे व बल का एक अभिन्न हिस्सा बन सकें।

अंत में, आपसे विदा लेते हुए, मैं आप सभी का आभार व्यक्त करना चाहूंगा क्योंकि आपने जिस प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वाह किया है उससे इस संगठन के लिए नया होने के बावजूद मुझे इसके नेतृत्व करने में काफी सहायता मिली। आप मेरा सहारा और मेरी ताकत रहे हैं और आप लोगों के लिए मेरे दिल में विशेष स्थान रहेगा। आपकी सफलता सदैव मुझे आनंदित करेगी और आपकी उपलब्धियों पर मैं भी गर्व महसूस करूंगा।

सीआरपीएएफ सदा अजेय, भारत माता की जय

प्रकाश मिश्र
महानिदेशक, सीआरपीएफ



DG's Message

As I relinquish office after having been at the helm of the Force for over 14 months, I look back at my tenure in CRPF with a sense of satisfaction and pride for having had the privilege of leading one of the largest and most versatile paramilitary force of the world. It appears just yesterday when I was assigned to take over the reins of the Force. With almost 80% of the force deployed in the highly volatile theatres of the country, countering multifarious internal security issues, the task was indeed cut out to galvanise the Force towards achieving its potential through professional commitment and excellence. I must admit that my Officers and men rose to the challenge and fulfilled my desire to walk out with my head held high and deeply satisfied.

Though, CRPF has been entrusted with the arduous task of countering complex issues with varying degrees of intensity, I admire the tenacity and the capacity of the Force to adapt and deliver despite the enormity and the diversity of the tasks involved. The year 2015 witnessed the Force scaling new milestones when its officers and men were awarded 101 gallantry medals in a calendar year, the first by any Force in the country and something to be proud about. We must ensure that we do not slide from here.

Every human life is invaluable. In the year 2015, we could turn around the ratio of own losses to anti-nationals killed in our favour, as we lost only nine personnel as against ninety four kills which we could achieve by merely being more selective and surer before embarking upon any operation, rather than exposing ourselves to the enemy. The Force also succeeded to a great extent in navigating the killing fields by recovering an unprecedented 1740 IEDs, thereby thwarting the numerous attempts by the adversaries to get even with us. These in fact provided the much needed fillip to the Force, thereby proving that success begets success. This was further reinforced in 2016, wherein barely into the New Year, Bihar Sector met with resounding success when 205 CoBRA managed to eliminate five important Maoists of the Madhya Zone, severely denting the morale and fighting abilities of this potent CPI (Maoist) formation. Barely had the month rolled past, that the brave officers and men of 215 Bn alongwith sister forces succeeded in eliminating the dreaded maoist Chirag @ Ramchandra Mahto, Chief of Military Commission of PBPJSAC, thereby dealing an irreversible blow to the CPI (Maoist), and the next biggest success for the Force after the elimination of Kishanji in November 2011 in the Jungle Mahal area of West Bengal.

With the kind of profile and history that is attached to this Force, you have to constantly evolve and gear yourself for greater challenges that lie ahead as the country moves from one crisis to another. Our continuing presence in the North-East and Jammu and Kashmir has to a large extent contributed to bringing back peace in these areas but lasting peace still appears a long way off.

Providing instant medical care to our men has always been an area of concern, especially in the maoist infested areas of Chhattisgarh where blast injuries are increasingly rampant. With the establishment of Field Hospitals in Basaguda, Bheji, Chintagupha and Chintalnar, I have been able to fulfil this requirement to a certain extent. At the same time, with the budget on Security Related Expenditure (SRE), being given to CRPF the living conditions of jawans in Chhattisgarh has certainly seen improvement. We need to pursue it with other states as well. Cabinet approval has been received for the construction of 10,331 quarters and 55 barracks.

By assigning the onerous responsibility of providing security to many VIPs, the government has reposed a lot of faith in the Force and we need to discharge this duty with great care and caution.

There has been a conscious decision on the part of the government to increase the strength of women in CRPF which would be done gradually. The Force needs to think ahead and be prepared to cope up with this phenomenon, as it involves preparing the women to step into territories which were hitherto not ventured into earlier and also provide them an equitable environment so that they feel themselves to be an integral part of the Force.

Finally, as I bid good bye, I would like express my gratitude to each one of you for being steadfast in your commitments thereby helping me to navigate the Force, despite being completely alien to the organisation. You have been my support and my strength and I'd always have a special place for you all in my heart. I will always bask in the glory of your success and will be clapping for you on your achievements.

CRPF Sada Ajay, Bharat Mata Ki Jai.

Prakash Mishra
Director General, CRPF

7th National Conference of Women in Police

Sh Rajnath Singh, Hon'ble Union Home Minister Inaugurates the 7th NCWP Smt Maneka Gandhi, Hon'ble Union Minister for Women & Child Development Closes. Announces Hostel for Working Policewomen

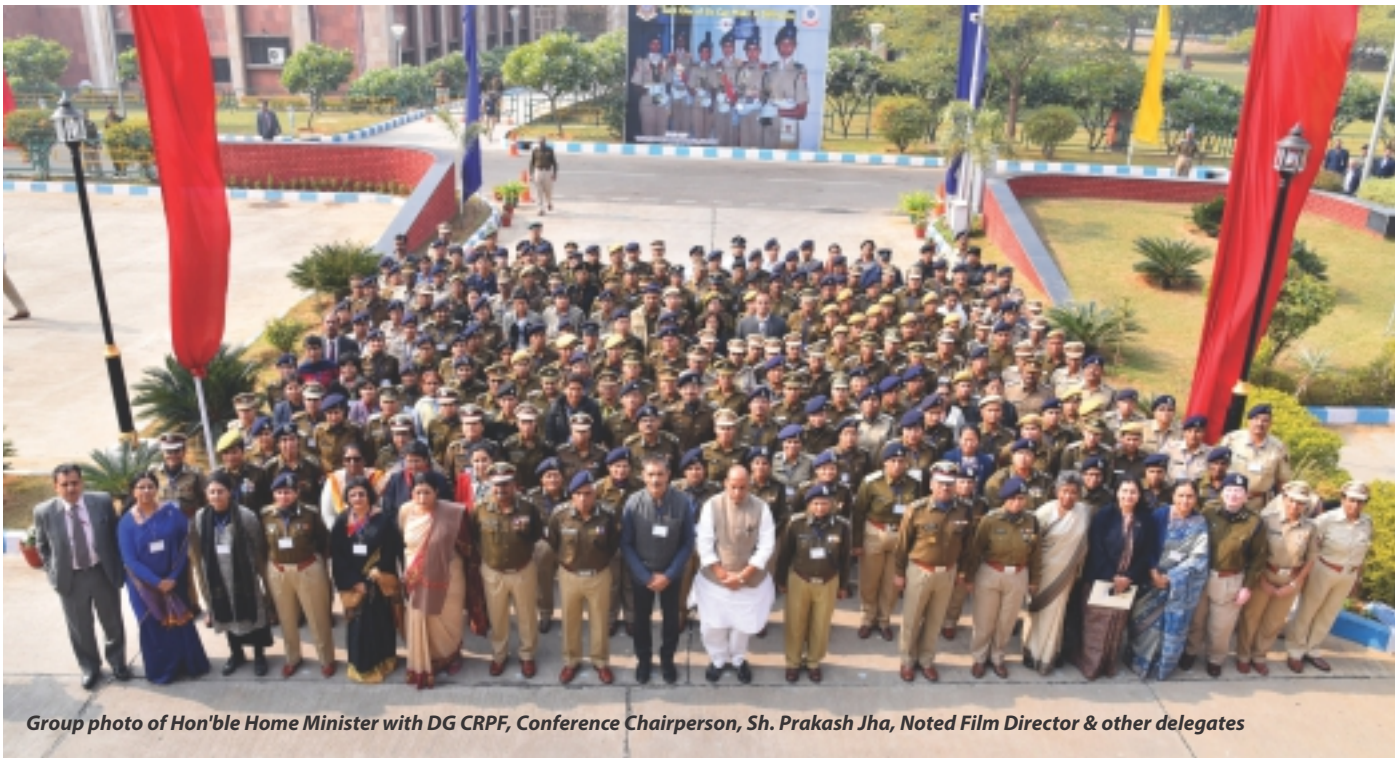
For the first time National Conference of Women in Police was hosted by a paramilitary force. The first conference was organised in 2002 at Delhi. It is a Bi-annual event held in every two years. Sh Rajnath Singh, Hon'ble Union Home Minister inaugurated the "7th National Conference of Women in Police" at CRPF Academy, Kadarpur Gurgaon on 6th January, 2016. CRPF also has the unique distinction being the first ever Paramilitary to have raised a fully armed Woman Combat battalion.

The three day conference, with the Central theme of "Capacity building and leadership" and four sub-themes of 'Role of Women in Conflict Resolution', 'Work Life Balance', Creating Gender sensitive work infrastructure and equipment' and 'Strategies to handle human trafficking' witnessed participation by more than 300 women delegates, from all the State and Central Police Forces.

Welcoming the guests, Sh Prakash Mishra, DG CRPF said that women are an integral part of not only State Police but also Central Police Forces and have now crossed national borders and are deployed as part of UN Mission, in the strife torn Liberia. He said that the participation of women in Police Forces have increased and they are working shoulder to shoulder with men. The aim of the conference was to enhance participation of women in police. He



Sh. Rajnath Singh, Hon'ble Union Home Minister delivering his address



Group photo of Hon'ble Home Minister with DG CRPF, Conference Chairperson, Sh. Prakash Jha, Noted Film Director & other delegates

also paid tribute to Mahila martyrs of Police Forces.

Presenting the Action Taken Report of the last conference, held in Guwahati, Smt Nirmal Kaur, IG BPR & D also deliberated on the recommendations and ATRs of the last conferences and said that inspite of being a traditionally masculine force, police is now witnessing a reasonable influx of women and the government is mulling to raise the bar to 33%. She also said that for the first time, male members have also been invited for 7th NCWP.

In her keynote address, Smt. Vimla Mehra, Chairperson 7th NCWP & Senior Special Commissioner of Police, Delhi elaborated on the Central theme and various sub-themes to be deliberated upon in the present conference. She also suggested that the proposed 33% quota for women in police should be implemented in a time bound manner and that there should be 20% women staff in each police station of the country. She also suggested that separate secretariat should be created in BPR &D to monitor the implementation of the recommendations of the various National Conferences on Women in Police, to which the Hon'ble Union Home Minister readily agreed.

Speaking on the occasion, Sh Rajnath Singh, Hon'ble Union Home Minister said that if we want to build a strong and self-reliant India, we cannot ignore half of the population



Sh Prakash Mishra, DG CRPF welcoming Sh Rajnath Singh, Hon'ble Union Home Minister



Smt. Vimla Mehra, Chairperson, 7th NCWP & Sr. Spl. CP Delhi addressing the gathering



Smt. Shikha Goel, IG CISF during a panel discussion. Smt. Letika Saran, Former DG is also seen



Ms Shikha Goel, IG CISF presenting a memento to Sh Ajay Sahni, Executive Director of Indian Institute of Conflict Resolution while Smt Anupam Kulshreshtha, Conf Secretary & DIG (Adm) CRPF looks on



Proving a point : A discussion session in progress



Ms. Poonam Gupta, Commandant CRPF moderating a session. Sh Ajay Sahni ED, IICR is also seen.

and the women have excelled men in various fields. He went on to say that in India, the women had a distinguished place of respect from times immemorial and they played a crucial role in building of the society. He said that in this country, even in mythology, names of Gods are preceded by the names of Goddesses. He quoted the 'Commonwealth Human Rights Initiative' report to cite that the participation women is much lesser and that giving adequate representation to women will be the agenda of this government. The MHA issued a directive to UTs and advisory to states to raise the participation of women upto 33% and now an order has been issued to raise the number of women in CRPF & CISF to 33% and in other CAPFs to 15%. He said that women possess special communication skills and their participation is changing the mindset of the society, owing to their professional excellence.

Presenting the Vote of Thanks Smt. Anupam Kulshreshtha, IPS, Conference Secretary & DIG (Adm) CRPF said that this is a historic occasion and that we are having a unique and unparalleled feeling. She said that the presence and words of Hon'ble Home Minister have assured the women of their progressive future. Ms Anupam Kulshreshtha also thanked DG CRPF for having instantaneously accepted the offer of hosting the conference and providing the leadership and guidance.



Smt Maneka Gandhi, Hon'ble Union Minister for Women & Child Development delivering her address



Sh K. Durga Prasad, Special DG CRPF delivering the Welcome Address



Smt Vimla Mehra, Chairperson, 7th NCWP & Senior Special Commissioner, Delhi Police addressing the gathering

The Conference commenced with a film on women martyrs and CoBRA commandos, which left the participants and the audience spell bound and inspired. A memento was presented to the Chief Guest by Sh Prakash Mishra, DG CRPF, Smt. Vimla Mehra, Conference Chairperson and Sr. Spl CP, Sh P.V.K.Reddy, Addl. DG, CRPF, Sh M.P.S.Negi, Director CRPF Academy and Smt Anupam Kulshreshtha, Conference Secretary and DIG (Adm), CRPF.

On the second day, Professor Niharika Vohra, Faculty member of Organizational Behaviour Area of elite IIM Ahmedabad addressed the conference on the topic "Assessing and improving our emotional intelligence". The Conference was also addressed by Ms Apoorva Purohit, CEO Radiocity on **"Leadership Lessons : How to successfully balance Home & Work"**.

Whereas Professor Ajay Sahni, Executive Director of Indian Institute of Conflict Resolution, was Resource person for the sub-theme "Role of Women in Conflict Resolution", which saw Ms Shikha Goel, IPS, IG CISF as presenter. Professor Niharika Vohra, Faculty, IIM Ahmedabad was the resource person for the sub-theme "Work-Life Balance" with its presenter being Ms. D. Shyamala, DIG (Legal), CISF & Smt. Karuna Rai, Commandant, CRPF. Sh Anuj Sharma, Designer/Ex-NID was the resource person for the sub-theme "Creating Gender-sensitive Work infrastructure and Equipment", Ms Renuka Mishra, IPS,IG SSB was the presenter and the celebrated SP of Sonitpur, Assam, Ms Sanjukta Parasar was the Asst.



Ms Kunjarani Devi, Commandant CRPF & Arjuna Awardee being felicitated



Smt Anupam Kulshreshtha, Conference Secretary & DIG(Adm), CRPF with Ms Tapasya Mundhra, Wellness Expert, during the conference

Presenter for the syndicate. Justice Mukta Gupta of Delhi High Court and Sh Mahesh Bhagwat, IPS, IG (Security), Intelligence Deptt, Telangana were the resource persons for the fourth syndicate for the sub-theme "Strategies to handle Human Trafficking". Former DCP (South), Delhi and now DIG NHRC, Ms Chhaya Sharma, IPS and Ms Ajeetha Begum, IPS Principal, PTC Thiruvananthpuram, Kerala were the Presenter and Asst. Presenter for this syndicate.

A demonstration (on motorcycles) by Mahila Daredevils of CRPF and Mahila Pipe Band personnel kept the audience spell bound.

The three day long conference came to a closure with some very important recommendations to the government on empowerment of women.

Smt Maneka Gandhi, Hon'ble Union Minister of Women & Child Development was the Chief Guest on this occasion. Sh K. Durga Prasad, Spl DG CRPF, Smt. Aruna Bahuguna, Director, Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad, Smt Vimla Mehra, Senior Special Commissioner of Police, Delhi were also present on this occasion.

Welcoming the guests, Sh K. Durga Prasad, Spl. DG CRPF said he was feeling proud that any Central Police Force was hosting the conference for the first time (earlier it was hosted by State Police Forces). He also said that various luminaries of their fields such as Smt. Arundhati Bhattacharya, Chairperson SBI, Professor Sushma Yadav of IIPA, Delhi, noted filmmaker Sh Prakash Jha have all lend their experiences to enrich the content of the conference.

Speaking on the occasion, Smt Maneka Gandhi, Hon'ble Union Minister for Women & Child Development said that she was very happy to be present in the Conference. She said that atrocities on women should be checked at the preliminary stages itself and not wait for it to escalate. She advocated the policy of having more woman staff in each Police Station rather than having an All Woman Police Station in each district, so that it is easier for women to approach police stations anywhere. Smt Gandhi shared some of the initiatives under consideration/taken by her Ministry, for the welfare of the women, which are –

a) *Plan to provide a panic button in each cell phone, by the cell phone companies, for women in distress,*

b) *Setting up of 660 'One Stop Centre' named "Sakhi" all over the country which will have a psychologist, doctor, police personnel and advocate, all at one place to enable victims of sexual harassment to get help at the same place. Grants from "Nirbhaya Fund" will be used for this purpose*

c) *Setting up of 'Women Helpline'*

d) *Setting up of Women's Welfare Committee in each district*

e) *Organizations having more than 10 people should have a Sexual Harassment Committee*

f) *Special Mahila Police Volunteers to be appointed in each village. They will be above 21 years of age and their minimum educational qualification should be class 12th*



Smt Karuna Rai, Commandant CRPF is seen during a session discussion in a syndicate of 7th NCWP

or more. They will be trained by the SP of the district and report to the local Police Station. They will keep a watch on violence and harassment of women.

g) *She said that lakhs women and children are trafficked every year and the majority of them are trafficked by train. So the ministry is putting up posters in each coach of train with three relevant helpline numbers of police, child helpline and Women's helpline. Whenever a passenger spots a likely trafficker, he or she can call the above numbers so that the victim could immediately be rescued.*

She also announced grant for Working Policewomen's Hostel and said that she will write to all state governments to provide land and funds for the same, initially in the capital cities.

Presenting the report of the conference, Smt. Anupam Kulshreshtha, Conference Secretary & DIG (Adm) of CRPF said that the Conference received highest numbers of registrations with 328 in total (286 females & 42 males). She also announced the recommendations of 7th NCWP with the Central theme of "Capacity building and leadership" with four sub-themes of "Role of Women in Conflict Resolution', 'Work Life Balance', "Creating gender sensitive work infrastructure and equipment" and 'Strategies to handle human trafficking".

Smt. Vimla Mehra, Chairperson 7th NCWP urged all delegates and the government to adopt the "Gender Friendliness Scale" as proposed by Smt. Dr. Meeran Chadha Borwankar, IPS. She also suggested that even at State level, such conferences on should also be held regularly. She specially congratulated the Mahila Daredevils of CRPF who had put up a splendid display of neat balance on motorcycles and had a special word of thanks for DG CRPF and the entire CRPF team for hosting the conference.

Women achievers of police, which included the legendary weightlifter, Ms N. Kunjarani Devi, Commandant CRPF were felicitated by Sh K. Durga Prasad, Spl DG CRPF and Smt Vimla Mehra, Chairperson, 7th NCWP and Sr Spl. Commissioner of Delhi Police.

Sh M.P.S. Negi, Director CRPF Academy, Kadarpur, Gurgaon proposed the Vote of Thanks.

CRPF was the first paramilitary to have raised an All Women Armed Combat Battalion (88 Mahila Battalion) in the year 1986.

**"A man's got to do what a man's got to do.
A woman must do what he can't."**

– Rhonda Hansome

Key Note address by Smt. Arundhati Bhattacharya, Chairperson SBI

- Symbolism of uniform is leadership in many many ways.
- Empower women and give them opportunity so that they come up because they have social leadership abilities and ability to understand the situation.
- Leadership entails us use of intuition in order to come up with a road map for the future. Leadership means empowerment.
- Women in Uniform can empower many people.
- Empower sub ordinates - leader should build a team of his own and empower them so that the absence of leader is never felt and everyone do their work seriously.
- Being a woman in uniform you should prioritize your work between uniform and family.
- There may be some occasions when you may need help from others or colleagues and there is need to build a support structure within the family, colleagues and friends, while in service.
- Enabling people and decision making - Making inputs of making such decision, how much feedback you are getting and how we are empowering people.
- Importance of listening - since we are empowered to talk we should not forget to listen so that we can make an out of box decision.
- Empower sub ordinates to come up with ideas.
- Leadership values- walk the talk - credibility in the talk.
- Capacity building enables us to ensure that we can try, we can grow in the changing situation.
- Women are relectuant to accept challenging positions when offered because they think they cannot do justice with it fearing dual responsibility one at home and in office.
- Try first, go ahead and accept the challenge and see what it may.
- When you grew up look back down and give a helping hand without fearing of favouritism.. Meritorious work should be recognized and we should walk that extra mile to recognize the hard work of women.



You should be little more sensitive towards women, should know their needs as they have a dual responsibility of house as well.

- You should be little more sensitive towards women, should know their needs as they have a dual responsibility of house as well.
- Juniors should be made to take up the responsibility while the senior is on leave or away in emergent circumstances.
- One should make a team so that in the absence of a particular person the work des not suffer.
- Make a sabbatical for women for a particular period. Fix some time period which can be a maximum of 2 years. Women require sabbatical at least three times in their career. Once during child bearing period, second when the children appearing class 10 & 12 board examinations and the third when the parents or parents in-law fell sick. By doing so you can save 50 - 70 women from leave in the job. I have also extend this sabbatical for single men also as they have to face the same problem.
- The facility of sabbatical can have good effect as women

may be permitted to take long leave, attend to the need of their children or parent and rejoin the job, thereby they do not require to leave the job. A brief sabbatical empowers them to be more loyal towards the organization when they rejoin.

- I have also adopted a system of young women who need to look after a small child to work from their home and attend to the work through video calling facility. Thereby I can assure that the young talent who have trained for three - four years need not leave the job..
- We have to find a way to ensure that the organization has the capacity to give the support women need in her career.
- There are instances where women are denied higher promotions for want of operational postings or line posting for no fault of theirs. Unless you empower them they may not able to do justice to their responsibility.
- Being a mentor you need to point out to your juniors the places they could go and the assignments they need to take up for getting higher promotions.
- Be attentive to genuine need of your children. A good officer is always a good home maker also.
- We need to be comfortable with our skills when we do our job. There is no reason we should not take challenging assignments.
- Women have their own strength - though it may not be visible outside. The spirit of women is unshakeable that is required to be shown when you are in uniform.
- Women do not get the same nutrition what the men are getting. Hence once cannot compare men and women in equal terms. Women perform the function that is to empower 50% of the society.
- When the police are trying to control the rowdy crowd, presence of women not only brings down tempers but also ensure that no offense is done.
- The three important aspects in the service i.e. firstly entry of women, secondly rise of women and ability to keep them and thirdly putting them in leadership role is very important for the country.
- The country which cannot empower its women will never ever achieve its potential. Today we are only 6% in the force but 50% of total population is women, still there is lot to achieve though our target is 33%. I hope through the 7 NCPW we will be able to achieve the target.

Recommendations

Recommendations

1. **Dedicated Design cell** in BPRD to constantly upgrade uniform and equipment required for police, that would take into account gender sensitive design
2. **Ergonomically designed** uniforms, body protector, BP vest, helmet, patka, crossbelt, shoes, raincoats, winter jackets, dungarees, etc.
   - Make amendments in uniform rules
3. **Standardisation of styling** of uniform for policewomen.
   - Create an online database of sizes, patterns for free access for consistent look of uniform
4. **Gender specific fabric and colour** – eg. Anti bacterial, PT dress
5. **Gender sensitive design Belt** to be functional with handsfree options
6. **Weapon to be handy.** Size and weight to be gender friendly, eg Nirbheek manufactured by Ordnance Factory, Kanpur.

Accommodation

7. Concept of barrack to be replaced by hostel
   - Cubicle on a four sharing basis
   - Designated personal storage spaces – almirah, etc
   - One toilet per 6
   - Design of the toilet to include better hygiene and sanitation

8. Installation of sanitary pad dispensers and incineration disposal units at all possible places.
9. Portable/ chemical toilets for law and order/ traffic duties to be funded under the Swachh Bharat initiative.
10. Provision of drying racks/private space for drying undergarments. (Eg. Pulley based)
11. Washing machines to be installed in all hostels and training institutions to encourage people to wear clean clothes.

Health

12. Government funded Annual medical health check up for all ranks of policewomen which includes
    - Pap smear
    - Mammogram (as specified)
    - calcium, vitamin D, bone density
12. Research to be commissioned on gender related health issues to offer solutions based on data
13. Mother's milk storage banks in crèches.
14. Make hygiene and sanitation awareness a mandatory part of training
15. Periodical Gynecologist and Nutritionist sessions to be organised wherever women are deployed.

Policy

12. Gender friendly personnel policies
    a. Stationery duty at the early stage of motherhood and at the crucial years of children's education (10th to 12th)
    b. Six year fixed tenure to be permitted at least twice during career as per choice so that education of children does not suffer.
    c. Child Care leave and Maternity/ Paternity leave as per Central Govt.
    d. Increase the strength of the Mahila battalion by 25% to cater for child care/maternity leave so that undue pressure of extra work does not fall on the remaining personnel.
    e. Flexi time and shift system for retaining women in police.
    f. Policy of couple posting to be strictly implemented.
    g. Permit women posted in BOPs to live with their children.

Sexual Harassment

13. Procedures of dealing with sexual harassment at workplace need to be simplified
14. Separate Tribunal to prosecute SHW cases
15. External independent body to enquire into SHW cases

General Recommendations

16. Open online platform for regular suggestions and feedback from women police personnel on day to day Positive stories to be created
17. Gender Budgeting utilization to be monitored.
18. Stock taking of recommendations of the Parliamentary Standing Committee on Women and 2nd ARC





PM pays homage to Martyrs of Parliament attack

On the 14th anniversary of the Parliament attack on 13th December, 2015, a slew of Parliamentarians including Smt. Sumitra Mahajan, Hon'ble Speaker of Lok Sabha, Sh. Narendra Modi, Hon'ble PM, Sh. Manmohan Singh, Ex-PM, Sh. L.K. Advani, MP and others paid homage to the Martyrs of Parliament attack. Late Mahila Constable Kamlesh Kumari of CRPF was one of the martyrs, who was conferred with the highest peacetime gallantry award, the coveted 'Ashok Chakra'. A small contingent of CRPF presented the Guard of Honour on the occasion.















Martyrs gallery

Shaurya Chakra Awardee Sh R.K. Singh Dy. Commandant inaugurates

CRPF stall in India International Trade Fair

For the first time, CRPF erected a stall depicting the achievements and milestones of its long journey, at the India International Trade Fair, Phulwari Convention Centre, Pragati Maidan, New Delhi, in the month of November, 2015.

Landmark achievements of CRPF like the uneven battle of Sardar Post in which CRPF scored a historic victory over Pakistan Army, the gallant resistance at Hot Springs, foiling attack on Parliament & Ayodhya, actions in maoist areas, the valiant Mahilas and a display of special communication equipments were the highlights of the stall. The entire history of CRPF could be seen through this window. The aim of the stall was to create awareness in the public about the achievements of the Force and encourage youth to join it.

Gallant Officer of CRPF and 'Shaurya Chakra Awardee" Sh R.K.Singh, Dy. Commandant inaugurated the "CRPF Stall" showcasing the achievements of the great Force, at Pragati Maidan on 16th November, 2015, in presence of Sh Prakash Mishra, DG CRPF and other senior officers of the Force.

The exhibition was visited by many eminent personalities, including Ms Salma Ansari, Wife of Dr. Hamid Ansari, Hon'ble Vice President of India, who took a keen interest in the display. Thousands of visitors to the stall and were enriched by the display as well as the



CELEBRATION OF CONSTITUTION DAY





DIWALI MILAN SAMAROH







INTER SECTOR LAWN TENNIS CHAMPIONSHIP AT SDG





FELICITATION OF CRPF BADMINTION & TENNIS TEAMS BY DG



WORLD POLICE & FIRE GAMES, USA FELICITATION OF CRPF TEAM BY DG



Chief comes calling

GC Imphal





DG visiting the GC Hospital (left) & at the Family Welfare Centre (right)

108 RAF, Meerut (U.P.)





DG inspecting the Unit kote (left) & in the Sainik Sammelan (Right)

219 Bn, Bheji, Sukma, Chhattisgarh



Shri R.K. Nigam, Comdt – 219 Bn receiving Rs. One Lakh cash reward for 219 Bn Jawans from Shri. Prakash Mishra, DGP after Sainik Sammelan at Bheji on 23/11/2015



DG CRPF in the Civic Action Programme at Bheji on 23/11/2015

Chief comes calling

219 Bn, Bheji, Sukma, Chhattisgarh



Shri. Prakash Mishra, DGP with other CRPF officers at Bheji



Shri. Prakash Mishra, DGP addressing jawans During Sainik Sammelan at Bheji

Indian Institute of IED Management, Pune









Internal Security Governance and Challenges for CRPF

Rakesh Kumar Singh,
Commandant 89 Bn



On 27th July early morning, on the 76th Raising Day of CRPF, it was a wakeup call to inform that militants had attacked and seized Dinanagar police station in the Gurdaspur district of Punjab. The militants killed seven persons and injured fifteen in the attack. The whole drama seized the nation's attention for whole day through live feeds on national media. The commentators of the Anniversary parade of the Force must have changed the script later, while recounting and recollecting the glorious saga of CRPF; may be Punjab crisis is not over yet. The question in everybody's mind was militancy in Punjab which was so alarming in 80's and 90's of the last century, really finished? CRPF contribution in eliminating militancy was laudable.

Intricate Punjab & Cross border terrorism

The situation in Punjab is very complicated and peculiar. The militant groups have signaled start of fresh acts of terror and Pakistan is willing to help them as much as are the Jehadi groups including Kashmiri militants. It is also facing one of the ugliest phases of widespread drug-addiction amongst youth. The economic dynamics has lead not only to prosperity but also made them prone to various abuses and social vices - a very conducive situation for rise of militancy again and other anti-national subversive activities. The threat from across the border is also an issue because of geopolitical strategy which Pakistani Army has formulated. In such scheme of theirs, even sabotaging the peace initiatives of their own political masters is such a game plan which often results in blood bath across the borders. This obviously increases the role of CRPF in professionally tackling it.

Continuing Kashmir Militancy

The Kashmir militancy is not going to end, as attitude of promoting cross border terrorism by Pakistani Army is not going to change the internal dynamics of various groups in valley. CRPF has so far been able to control the situation to great extent which further needs reinforcement in coming days. Fidayeen attacks and blasts on rail tracks and roads have always been a threat against which preparedness cannot be eased, rather it may need more involvement in terms of manpower and technology. On 27th July 2015 along with attack on a police station, the militants also planted bombs on railways track at five places simultaneously. Thus, securing rails and roads again are of prime concern. The nation cannot afford threat to such infrastructural lifeline if it has to be ushered into a developed nation.

Mystery of security in North-East India

Only a few weeks ago, on 4th June in the Chandel district of Manipur- a place which has always been admired for its serene beauty, the green hills and the colourful festivals- had blood and





bullets all around its green canvass, when in an ambush 18 soldiers were killed and 16 injured. This was one of the biggest losses for Army in last two decades. Horrified and stunned, people are still thinking- is it breach of trust or crack in the elusive peace process ? Is it a single stray incident or revival of bloodshed in the region? The peace process that is being nurtured by everyone with care and caution has taken a toll. Tranquility, which is so much part of nature in North-Eastern states of India, seems to be making noises again and again for wrong reasons. The primitive mind-set of a few people is fuelling the fire for implementation of inner line permit system in Manipur. Protests paralyzed capital city of Imphal for days and as usual a few precious lives are gone and limbs of many lost the strength forever.

Stray incidents or latest trends of threat

These two incidents are not stray ones. In fact, these are the new challenges of national security. The trends of emerging threats are unpredictable and sometimes the challenge pops up from the corner which has hitherto been considered contained and controlled.

The challenges of CRPF are not going to be softer either in Left Wing Extremism affected areas of Central India or in Kashmir valley. On the contrary, the problems are erupting in Punjab, and North-Eastern states especially in Manipur and Nagaland. At the same time the pressure on state police in maintaining law & order will spill over on CRPF and it has to play critical role in riots control, crowd management, holding of even Panchayat elections besides national and state elections. The dissatisfaction of people with governance is also being increasingly reflected in massive protests often paralyzing the day to day affairs of common man. These issues will become more problematic because of political absurdities of protests even by ruling parties and local governments. Further, tweets of a few words are quite often erupting into volatile situations necessitating prompt actions and intervention of CRPF.

Intelligence must lead to Ops

It has become almost cliché to say that the challenges will be forever for security Forces, so are the intelligence leads regarding internal threats that the country would be facing. But the biggest challenge for Forces like CRPF is to operate on such half-cooked intelligence reports and tackle militancy head on when the system is indecisive about what ends have to be achieved. The intelligence machinery of Force has to reach tactical level coupled with availability of capability and assets to the lowest fighting formations. To appreciate security environment and embrace the change is indispensable in present day scenario. The collection and creation of data base and analysis should result in productive operational efforts. Building up intelligence base in Force is obviously a challenge in the country so diverse in thoughts, actions and expectations like ours.

Emerging Contours of security grid

With the focus of citizens on their own rights, securing peace is becoming a challenge to improve governance. Good policing is integral to this process. And in most of the states these days, policing is highly dependent on CRPF. This dependence will further increase in future as state governments want to play safe as far as police actions are concerned.

CRPF being mandated for management of internal security has onerous task of anticipating, assessing and acting on all kinds of threats. Internal security has become complex and a multi-agency function. From border-management to local eruption of violence over petty issues are becoming matters of grave concern. It's not only about protecting physically but now virtual space too needs to be monitored and protected. Cyber space to prayer houses all need to be sanitized and secured. The multitude of issues demand technological advancements and





commitments. Thus, the issues before the CRPF are to dynamically evolved to meet the stakeholder's interest and secure peace in the country. This has huge cost implications too.

Resource mobilisation

CRPF would be facing the issue of resource constraints also in its modernization attempt to secure nation. The infrastructural augmentation of organization is essential for prospective planning and meeting expectations. Capacity building of Force will remain 'core' area which requires focus and up-gradation. The relevance of Forces trained in counter insurgency operations, with adequately equipped intelligence mechanism, is imperative in present context to ensure peace.

Threats to cripple cities

The trends in national security indicate that the CRPF has to be in C.I. Ops mode even while performing Law and Order duties at so-called peaceful locations. The incidents of Ayodhya, Akshardham, Sarojini Nagar blasts etc all are indicators of the fact that how challenging it has become for Forces to manage terror attacks across the nation. The very concept of assessing vulnerable spots is just not appropriate now, when terrorists are zeroing in on the gaps in security at many places in the country.

Long stretched Left Wing Extremism

Assessment of information available indicates that there is likelihood of spike in violence graph in Left wing extremism affected areas and may result in a situation where more troops may be deployed. About ten thousand armed cadres organized on military pattern and supported by Dalams and Sanghams continue to pose dreadful challenges for security Forces. Their tactics of use of mines & IEDs imaginatively compensates its lack of automated weapons, though now even the weapon profile of the naxalites have improved. The Left wing extremists will attempt to maintain a level of violence threshold to challenge government's authority in a demonstrative way. With the expressed ideology of use of violence and tough terrain of the area of their influence, will remain a tactical challenge in coming decades.

Improvised Explosive Devices

Improvised Explosive Devices (IED) is likely to pose hard challenges to CRPF in all the theaters. The pre-emptive preparations and tactical planning seems to be the only plausible solution to counter it. For it, two pronged strategy of enhancing technological capability and developing tactical skills are required. The tactical evolution of Forces has to be more than the anti-social element's disruptive tricks. So in coming days, the challenges of training a huge number of force personnel is also a big task ahead. To train them, a huge number of trainers and resources are required.

Security of Vital installations/ VIPs/ Critical infrastructure

CRPF besides being a C.I. Ops Force has also been assigned tasks to protect vital installations, dignitaries, critical infrastructure and a few most troubled spots like Srinagar & Jammu airports. The Force is protecting many important functionaries in states too. With unrestricted flow of information on social media, which are generally not authentic, only complicates the situation and then responding in such circumstances becomes very strenuous. The Force has to be trained to cope with such negative and grilling situations.

Handling Public perception

Handling public perception is coming up as a challenge for Security Forces. CRPF is almost always pressed into services in controversial and critical security issues. Unless and until the support of citizens is with Force personnel, it would be difficult to maintain the trust of system. CRPF besides being a Force focused for complete resolute actions against extremists, also ought to have soft skills to connect with people and win over their trust and support. India of today requires very agile security governance to meet developmental goals and CRPF has to gear up to meet the challenges with the speed as the security environment is changing. A multiple approach of competence building in the profession of security, in terms of developing human resources, technological integration and tactical approach is necessary to protect the asset of nation and secure peace.





The other day, your Mom was crying behind your house because you had shouted back at her when she was taking care of you. Can't you feel what your father might have felt when the doctor came up to him and said."Sir, it's a boy" Your father jumped around and hugged the doctor with tears in his eyes. He looked up on you with endless hopes and endless love. From the day you are both, all their happiness is poured over you. Your parents bought dress for you instead of buying for themselves. Don't compare your parents with others on how much money they give to their son. They give 20 when they have 200 but your parents give you 10 when they got 12. Your father has to stay in office whole day just to get bucks for your education. You will never find him complaining. He would spend his nights without sleeping when you get sick, he wakes up every five minute, to see if you sick off the blanket or not. He would get all the blame for any sort of indisciplinary act in school for you. He asked you what you would like to have for dinner when he got only Rs. 20 in his pocket. Your Mom will be the locker of your secrets with promises that she won't tell anything to PaPa. Have you seen the amount of anger in their eyes when someone touches you hardly? They held party on the first day you said something human "MaaMaa," Do you feel how tightly your mother holds hand when you cross road with her? When anyone is running after you, you always hide behind your parents as you feel safe there. Your MaMa's arms are the best after watching horror movie. Most of the people study to get a handful job and settle in life but your Mom gave up that and stays home just to look after you. Has your mother hugged you so tightly after beating mercilessly? They give their boundless love to you. Your father got scolding from his boss because he was late for his office as he was dropping you to school. 'MaMa! PaPa! I will make you happy forever, I promise" you promised with your clean and innocent heart.

How sweet are they? God must have taken a long time in making them. “Mom! Dad! We want to have a separate kitchen," you said it after you got married to the ones who don't even drink water until you come home. You even scold them for no reason sometimes just because they are old and they can't do anything. Why people start living in old age homes? All their hopes which they have for you goes in vain. They once felt so proud thinking that they will be the parents of an officer but tears rewarded them because of your conduct towards them. All these will never make you happy because you don't know what is life made up of? I don't know whether it's the fault of the parents or not, but they seem to forget to teach the biggest lesson of life. Children took life so seriously that they even forgot to look after their parents. We should always remember to keep life in balance. Being the best scientist but never fallen in love, renders life meaningless. There is no point of getting promotion on the day of breakup. There is no fun in driving a car if your back hurts. Recall what Mr. Ratan Tata says always 'don't be serious, enjoy life as it comes," Shopping is not enjoyable if your mind is full of tensions. Don't take life seriously, as we are really temporary here. We are nothing but a prepaid card with limited validity. If we are lucky, we may last another 50 years. Enjoy life ! It's okay to bunk a few classes, score low in couple of papers, take leave from work, fall in love, etc. That's what humans should do as we are not robots. You started taking tensions all over your head and started searching for people to blame. You start looking people who would help you and when you see your old parents remaining jobless, you pour, everything on them. You never notice that your parents have bought dress for you before you were born. They love you more than they love themselves.

Love is the greatest gift of God. And the one who gives 100% love is the God. Your parents can only give 100% love to you. They are your visible God. Never leave them when they are old. They don't want to see you earning 1 crore a month, they just want you to hug and kiss them every morning. All these pains are said to be felt by the children once they became parents. But to end this pain is the most important thing. The solution is so simple, just close your eyes and keep remembering the sweet moments with your parents. Let's stop jumping down from building just to see if we die or not. Let's make ourselves fit to be able to imagine things beforehand. Never stop thanking them for giving your life.

All India Police Duty Meet

CRPF BOYS TURN GOLDEN GUYS

Every year All India Police Duty meet is organized by State /Central Police Organization. 59TH AIPDM-2015 was organized by ITBP, at BTC Bhanu, Haryana wef 27th November to 1st December, 2015.The aim of police duty meet is to increase computer awareness and basic knowledge of Information Technology so as to cultivate a culture of computer savviness amongst police personal which is the need of hour. This helps to encourage existing talent through a spirit of healthy competition.

CRPF has always been a pioneer in technological advancement which can be seen as result of winning lots of medals & trophies during previous All India Police Duty Meets.

This success continued in the year 2015 also. CRPF participated in 3 events of the meet i.e. Computer Awareness Competition, Police Photography and Videography Competition, and Police Dog Competition. Continuing the trend, CRPF won two individual Gold and two Team Trophies.

SI/T M.S. Rana & ASI/RO B Gopinath won Gold medals in Written test & Office Automation. The CRPF team was also awarded Computer Awareness Trophy and DG NCRB Trophy (introduced this year), for best in-house developed software. Thereafter, the team was suitably awarded for DG's Commendation Disc.









Provisioning Conference 2015 : Glimpses







CoBRA commandoes turn unlikely saviours

The security forces are traditionally meant to safeguard and protect the lives of the citizens, and killing, even if, he is an enemy is the last option available to them. However, in the difficult terrains of Chhattisgarh, infested with maoists the CoBRA commandoes are always on the prowl as it is a battle to death, its either they or the adversary.

On 16 January, CoBRA troops deployed in Bijapur district of Chhattisgarh launched an operation following an input about the movement of maoists in the forest area around villages Korsermetta, Hidmapara and Gotpalli under PS Basaguda. After almost three days on 18 January, in the jungles near village Gotpalli, the maoists ambushed the troops and triggered an IED followed by heavy firing. In the exchange of fire that ensued one maoist was killed and another maoist identified as LingaSodi of village Itapalli was seriously injured as a bullet had pierced his thigh leading to severe blood loss. The CoBRA troops immediately evacuated him to CRPF Field Hospital located at a distance of 7 kms from the encounter site on foot and thereafter he was airlifted to Govt Hospital, Jagdalpur the next day in the IAF chopper being used for anti-naxal operations for immediate medical attention. When the doctors attending upon the injured maoist in Jagdalpur requested for blood in order to save the maoist LingaSodi, three of the commandoes Cts Ratan Manjulkar, Praveender and U. Mehboob Peera without a second thought volunteered to donate blood to save the life of the adversary. Who says the CoBRAs can only kill?

▼ *A CoBRA commando donating his blood to Linga at Maharai Hospital, Jagdalpur*

▼ *The injured maoist Sodi Linga during blood transfusion.*



सैनिक के जीवन में एक मिनट का महत्व

बी0 एन0 सिंह
पुलिस उपमहानिरीक्षक/प्राचार्य
आरटीसी, केरिपुबल लातूर, महाराष्ट्र

जीवन में एक मिनट का महत्व बहुत ही मुल्यावान है, एक मिनट में ही आपकी जिन्दगी बदल सकती है, एक मिनट में आतंकी आपको मार सकता है, एक मिनट में ही आपको जंग के मैदान में सफलता प्राप्त करनी है।

उन मिनटों के बारे में सोचे, जब सैनिक आतंकियों के घेरे में फंसा है और किसी भी मिनट में आपका जीवन तहस–नहस हो सकता है, तब आप क्या करेंगे, जब आप जंग के मैदान में समस्याओं से घिरे हुए हैं और आतंकी हर तरफ से हमला कर रहा है, चारों तरफ से गोलियॅा बरस रही हैं, लेकिन आपने एक मिनट का अभ्यास, कड़ी मेहनत से किया और युद्व–कला की पुस्तकें आपने यदि मन से पढी हैं, तो आपको डरने की जरूरत नहीं, क्योंकि यही एक मिनट आपको जंग की कला सिखाती है।

एक मिनट से एक महान घन्टा बनता है, एक महान घन्टे से एक महान दिन बनता है, एक महान दिन से एक महान सप्ताह बनता है, एक महान सप्ताह से एक महीना बनता है, फिर एक महान महीने से एक महान वर्ष बनता है और इस तरह से आप एक महान जीवन को चलाने के मालिक बन जाते है।

यह सब कार्य ईश्वर के दिये एक मिनट से शुरू हुआ है, अब आपको निर्णय करना है कि अपनी जिन्दगी एक मिनट की बदौलत चलाते हो या नहीं, प्रत्येक कार्य को एक मिनट में करने की कोशिश करें। अपने दिमाग में सोचो, फिर निर्णय लें कि मुझे प्रत्येक कार्य एक मिनट में करना है, यह एक मिनट ईश्वर का दिया हुआ है। इस मिनट को बेकार नहीं जाने दूंगा।



एक मिनट में ही अपनी कला का प्रदर्शन करूँगा, कड़ा परिश्रम करूंगा, क्योंकि यह एक मिनट आपको जंग जीतने की कला सिखाता है।

महान धर्म विज्ञानी डॉ0 हॉवर्ड थरमैन ने एक भाषण में कहा था, जिस पल, जिस मिनट यह सैनिक डर को जीता लेगा, उसी मिनट यह युद्व जीत लेगा, मुठभेड़ इसके बाद भी होगी, परन्तु युद्व जीत लिया जायेगा।

जिस पल, जिस मिनट, हम अपने दिमाग से सोचते हैं, कमाण्डर की तरह निर्णय लेते है और उस निर्णय पर अमल करने के लिए आगे बढ़ते हैं, उसी मिनट हम अपनी जिन्दगी बदल लेते है, हममें साहस, उत्साह, निडरता और आत्मविश्वास की भावना पैदा होती है और कार्य को निडरता से करने की सोचते हैं, क्योंकि एक मिनट में हम ईश्वर को प्राप्त कर लेते हैं।

अतः सैनिकों, अपने दिमाग से सोचें कि प्रत्येक कार्य को एक मिनट की ड्रिल में करने की आदत बनाये और अपने जीवन व जंग में एक मिनट का मूल्य समझें और बच्चों को भी समझायें।

मकान या घर



दुर्गा प्रसाद
कमाण्डेन्ट 5 बटा0,के0रि0पु0बल

मकान बना लिया,
सारा जी जोड़कर,
घर नही बना पाया,
आधा जीवन बिसार कर।
कोशिशें कामयाब रही उनकी,
मकान बनाने की,
कोशिश मेरी नाकामयाब रही,
घर बनाने की,
जीवन की इस उलटफेर में,
मकान से घर तक के फेर में।
जीना अकेला सीख लिया,
गमों में जीना सीख लिया।
अब अपने आप से डरता हूँ,
मकान देख मुस्कराता हूँ।
घर देख कर ही घबराता हूँ,
घर की, सोच से,कतराता हूँ।
अब मकान और घर के अन्तर पर,
खड़ा पाता हूँ,पशोपेश के चौराहे पर।
खड़ा पाता हूँ, पशोपेश के चौराहे पर..!!!



स्वच्छ भारत अभियान



सत्येन्द्र सिंह
नि/हिन्दी अनु.
जन सम्पर्क शाखा,
महानिदेशालय

यह कार्य है बड़ा महान।
मोदी जी ने अभियान चलाया,
प्रधानमंत्री होकर झाड़ू लगाया।
जनता को दी एक नई मिसाल,
यह कार्य है बड़ा महान।

स्वच्छता जीवन है, स्वच्छता ईश्वर है,
स्वच्छता पर्व है, स्वच्छता धर्म है।
शान्ति, भक्ति इसकी पहचान,
यह कार्य है बड़ा महान।

हम हो चाहे कितने बड़े, अपने अभिमान को धर परे,
आओ हम यह संकल्प करें, गॉव शहर को स्वच्छ करें।
सबको हो स्वच्छता का अभिमान,
यह कार्य है बड़ा महान।

गंदगी फैलाने वालों शर्म करो,
स्वच्छ रहो और स्वच्छ कर्म करो।
पूरा करो स्वच्छता अभियान,
यह कार्य है बड़ा महान।

भारत के लोगों का सपना,
हर घर में हो शौचालय अपना।
गरीब हो या हो धनवान,
यह कार्य है बड़ा महान।

स्वच्छता दिवस के अवसर पर,
हम यही संकल्प दोहराएगें।
न करेंगे गंदगी, न करने देंगे
भारत मॉ को स्वच्छ बनाऐंगे।
बालक हो या बूढ़ा, जवान,
यह कार्य है बड़ा महान।।
स्वच्छ भारत अभियान

चिट्ठी आई है



हव/मं प्रियंका यादव
ग्रुप केन्द्र, रामपुर (उ.प्र)

अपनी वर्दी में रंग भरते–भरते,
जिसके जीवन के और रंग पड़ गए फीके।
अपने वतन का फर्ज अदा करते,
जिसको घर और गाँव के फर्ज नहीं दिखे।
इसी दर्द के आँसुओं से भीगी,
लिफाफे में कैद, उसकी मिट्टी आई है।
एक डाकिया आया है गाँव में,
खबर है कि किसी फौजी की चिट्ठी आई है।

वहाँ सब ही तो, घर से दूर हैं,
सबका एक सा दर्द, किससे कौन कहे।
उसकी बन्दूक ड्यूटी पे जितना बोलती है,
एक वो है कि बस उतना ही मौन रहे।
कल रात फिर से ख्वाब में उसके,
घर का आँगन आया है, सरकारी छुट्टी आई है।
एक डाकिया .....

माँ के हाथ की रोटी, चूल्हे में पककर,
पेट से हो कर के, दिल में उतरती थी।
रसोईया तो यहाँ आलू साबुत डाल देता है,
माँ तो बड़ा बारीक–बारीक कतरती थी।
भरे पेट पर खाली मन से याद,
घर के कड़ी चावल, चोखा लिट्टी आई है।
एक डाकिया.....

हिसाब में कुछ तो गड़बड़ हैं उपर वाले के,
इतना मिलता नहीं जितने का हकदार है।
बस इतना है कि मुल्क उसका कर्ज़दार है,
ओर वो इस मुल्क में किरायेदार है।
वो जिसने हाथ खोल कर खुशियां उछाली थी,
उसने बीना, तो फिर से खाली मुट्ठी आई हैं।
एक डाकिया आया है गाँव में,
खबर है कि किसी फौजी की चिट्ठी आई हैं।

Statue of Shaheed Constable Bhrigunandan Chaudhary unveiled; Book Released





A statue of KIRTI CHAKRA awardee Shaheed Constable Bhrigunandan Chaudhary was unveiled in a function held in his native village Sadauli, District- Gariabandh, Chhattisgarh. The function was held on 23 November 2015 at Govt. High School, Sadauli, where Bhrigunandan had his primary education "Veer Bhrigunandan Chaudhary", a illustrative comic book depicting the gallant tale of martyrdom of Shaheed Constable Bhrigunandan Chaudhary, was released by Sh. Prakash Mishra, DG CRPF, who was the Chief Guest on this occasion.

Sh A.N. Upadhyay, DGP Chhattisgarh Police was the Guest of Honour. Sh K. Durga Prasad, Spl DG (Ops & Works) & Centra Zone, Sh R.K. Viz, ADG (Naxal Operations), Chhattisgarh Police, Sh Zulfiquar Hasan, IG (Ops), Sh Sadanand Date, IG (Ops) Chhattisgarh, Sh Sita Ram Anjani Yulu, IG BSF and senior officers of the Force and local administration graced the occasion. The function witnessed the presence of Sh. B.R. Dahariya, Principal, Govt. High School, Sadauli, school children and many people from his native village. The book was distributed to all the children.

Sh Mishra felicitated Smt Sushila Chaudhary, mother of Shaheed Bhrigunandan Chaudhary. He also donated sports items & LED TV with Dish connection and announced scholarship for the meritorious students of school.

Bhrigunandan Chaudhary was martyred on 8 December, 2012, while on an anti-naxal operation in Gaya (Bihar), while posted in 205 CoBRA. He single-handedly eliminated six naxals in the operation, for which, he was decorated with the coveted 'KIRTI CHAKRA'.







GC Siliguri
Visit of Parliamentary Standing Committee

The Parliamentary Standing Committee on Home Affairs visited GC Siliguri (W.B.), on 4th November, 2015 under the chairmanship of Sh. P. Bhattacharya. They visited the Group Center and various institutions.

CENTRAL POLICE CANTEEN

The queries by the Hon'ble Chairman regarding various issues concerning the CPC were suitably addressed by the Officers of GC Siliguri. The committee also found the condiments of the Cooperative Shop to be of good quality and fairly priced.

FWC

Here the Honourable members appreciated the items prepared by the lady wives especially the flower vases. They were explained that vocational training by experts is being imparted to the lady wives during summer camp.

MONTESSORI SCHOOL

The Honourable Chairman alongwith other members visited ited the Montessori school. They distributed chocolates amongst the children of the school. The Honourable Chairman of the Committee made various enquires about the functioning of the school, which were suitably addressed to.The school started in April'2015 after obtaining registration/permission from Govt. of West Bengal and 73 students are presently studying in the school.

MEN'S CLUB

The committee also visited the Men's club. The chairman and other MPs were briefed about the activities that take place in the Men's Club. They also enquired whether there was any club/hall for ladies, upon which they were informed that there is a separate hall with FWC for all activities of ladies.

QUARTER GUARD

The Honourable Chairman alongwith other members of the committee and Officers visited the Quarter Guard. Honourable Chairman took Salute at the Quarter Guard and noted his valuable remark as **"Very good arrangements"** in



Honourable chairman of Parliament standing committee at quarter guard of GC Siliguri

	Member of Parliament
01.	Sh. P. Bhattacharya, Chairman
02.	Sh. Derek O' Brien
03.	Sh. Baishnab Parida
04.	Sh. D. Raja
05.	Sh. Sitaram Yechury
06.	Sh. S. Selvakumara Chinayan
07.	Dr. Smt. Kakoli Ghosh Dastidar
08.	Sh. Ramen Deka
09.	Sh. Prataprao Jadhav
10.	Sh. Harish Meena
11.	Sh. P. Nagrajan
12.	Sh. Bishnu Pada Ray
13.	Dr. Satya Pal Singh
	Rajya Sabha Secretariat (Parliament of India)
01.	Smt. Arpana Mendiratta, Joint Director
02.	Sh. S. Banerjee, Sr. Ps to Chairman of the Committee
03.	Sh. Ankit Bhatia, Committee Officer
04.	Md. Hassan, Committee Officer

the visiting register. The Honourable Chairman of the Committee appreciated that lay out of the camp was very good and whole camp area is very clean and full of plantation. Dr. Satya Pal Singh, Member of Lok Sabha specially appreciated the drill and turn out of the Jawans at Quarter Guard.

POWER POINT PRESENTATION

At the Conference Hall a Power Point Presentation was regarding functioning of GC and accommodation (family quarters) was shown to the Parliamentary Committee. The Chairman enquired about the scarcity of quarters, on which he was informed that sufficient budget was not available and the case has been taken up with the Directorate, C.R.P.F. The Chairman assured that the matter will be pursued further. Details of deployment of companies of CRPF in North Bengal He was accordingly briefed by the DIG, during the Power Point Presentation. The Honourable Chairman and other members querried about nature of duty being performed by CRPF companies in Darjeeling & Alipurdwar districts and whether CRPF personnel were performing their duties daily or otherwise. Shri Gyanendra Kumar, DIGP Range Siliguri replied that personnel of 08 Coys of CRPF were performing their duties in their place of deployment at North Bengal daily to assist the state administration during NAKA duty, night patrolling, frisking duty etc.

A Memento was presented to the Chairman of the Committee.



Sh. P. Bhattacharya, chairman of the Parliamentary Standing Committee with DIGP Sh. Shekhawat and other officers during visit to GC Siliguri



H'ble Chairman with Principal of Montessori School at GC Siliguri





H'ble Chairman and other members during visit of CPC at GC Siliguri



Memento presented to the H'ble chairman by DIGP Sh. S.S. Shekhawat

Raising Day Celebrations

Group Centre, Bhubaneshwar (Odisha)









Group Centre CRPF Bhubaneshwar was raised on 15th Dec 1973. Accordingly, 43rd Raising Day of Group Centre CRPF, Bhubaneshwar was celebrated from 13th to 15th December, 2015. Various programmes such as sports events, cultural programme, and Blood donation Camp were organised . Shri Prakash Mishra , Director General, CRPF, inaugurated the Mela on 13th December, 2015. On the occasion Shri Piyush Anand, IGP, Odisha Sector, Shri T.N. Khuntia DIGP, GC, CRPF, Bhubaneshwar, Shri N.K. Yadav DIGP(ADM) Odisha Sector, Shri Rajesh Kumar DIGP(Prov & Accts) Odisha Sector, and other officers were present

CIAT, Shivpuri (M.P.)



Dweep Prajwalan by Chief Guest Shri Anand Kumar, IFS, Chief Conservator of Forests alongwith Shri R.S. Chauhan, DIGP/Principal CIAT School, CRPF Shivpuri



Children participating in slow cycle race

Various Activities

Laying of Foundation Stone at Group Centre CRPF, Bhubaneshwar



Shri Prakash Mishra, Director General, CRPF, laid foundation stone of new block of type-II quarters of Group Centre, CRPF, Bhubaneshwar on 14th December, 2015.

Blood Donation Camp at Group Centre CRPF Bhubaneshwar





Shri Prakash Mishra , Director General, CRPF, inaugurated a Blood Donation Camp at CH CRPF, Bhubaneshwar on 13th December, 2015 on the occasion of 43rd Raising Day celebration of Group Centre, CRPF, Bhubaneshwar.

115 Bn. Free Health Camp







100 आर.ए.एफ. में आर्मड फोर्सेस फ्लैग डे

इसी वाहिनी में 7 दिसम्बर, 2015 को देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले सशस्त्र बलों के जवानों की आत्मा को शांति प्रदान करने तथा सशस्त्र बलों के जवानों व उनके परिवारजनों के कल्याण की कामना के उद्देश्य से आर्मड फोर्स फ्लैग डे मनाया गया। इस उपलक्ष्य पर शहीद जवानों की आत्मा की शांति व उनके परिवारजनों की सुख–शांति के लिए वाहिनी के समस्त अधिकारीगण, अधिनस्थ अधिकारीगण व सभी जवानों द्वारा दो मिनट का मौन रखा गया।

फ्लैग डे का मुख्य उद्देश्य युद्धों के नुकसान से प्रभावित लोगों का पुनर्वास, सशस्त्र बलों में सेवारत जवानों व उनके



आर्मड फोर्स फ्लैग डे

परिवारजनों के कल्याण तथा अवकाश प्राप्त (रिटायर्ड) सशस्त्र बलों के जवानों व उनके परिवारजनों के पुनर्स्थापना हेतु देशभर में छोटे आकार के फ्लैग बांटकर धन एकत्रित करना है और इस एकत्रित धन का व्यय सशस्त्र बलों के जवानों व उनके परिवारजनों के कल्याण हेतु किया जाता है।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर

100 वी बटालियन आर.ए.एफ. की "सी" कम्पनी के द्वारा गोद लिए गांव बीबीपुरा, अहमदाबाद में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें गाँव के सरपंच श्री एच.आर.डाबी तथा अन्य वरिष्ठ ग्रामीण जन भी उपस्थित रहें । डॉ. गिरीश कापडीया चिकित्सा अधिकारी रामोल पी.एच.सी के द्वारा बीबीपुरा गांव के समस्त ग्रामवासीयों को विविध प्रकार की बीमारियों, उनके ईलाज एवं रोकथाम के बारें में जानकारी दी । साथ ही निरोगी स्वास्थ्य रखने के प्रति जागृत एवं प्रोत्साहित किया । इस शिविर में बीबीपुरा गांव के करीब 216 ग्रामीणो के स्वास्थ्य की जॉच की गई और जरुरतमंदों को मुफ्त दवाईयों का वितरण किया गया ।



100 बटालियन द्रुत कार्य बल द्वारा 5 दिवसीय योग शिविर आयोजन

100 बटा0 द्रुत कार्य बल वस्त्राल अहमदाबाद के प्रांगण में वाहिनी परिवार कल्याण केन्द्र की अध्यक्षा श्रीमती दानिश्ता समदानी के दिशा–निर्देश में पतंजली योग समिति अहमदाबाद दक्षिण गुजरात के सहयोग से श्री नदीम अहमद समदानी , कमाण्डैंट 100 वी वाहिनी के मार्गदर्शन में 5 दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया । आयोजित शिविर में, संस्थान के प्रमुख योग शिक्षक, श्री रमेशभाई व श्री नरेशभाई ने वाहिनी के अधिकारियों, जवानो और उनके परिवार जनों को पूर्ण रूचि, लगन तथा परिश्रम से योगासन सिखाये व योग से होनेवाले फायदो के बारे में बताया और पॉच दिनों तक अभ्यास करवाया।



खोडियार माता शोभा यात्रा



गाँव वस्त्राल में डी/100 बटा0 आर0ए0एफ0 के जवानों द्वारा खोडियार माता की शोभा यात्रा के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया । इस कार्यक्रम के दौरान वस्त्राल गॉव के लोगों द्वारा खोडियार माता की पैदल यात्रा के उपलक्ष में गॉव से माताजी का रथ निकालनें की प्रथा है, जिसमें वस्त्राल एवं नजदीकी गॉवों के लगभग 3000 लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

डी/100 बटा0 आर0ए0एफ0 के जवानों नें माताजी के रथ को वस्त्राल से सुरक्षित निकालनें एवं मेले में जाने वालें लोगों को पानी पिलानें एवं अन्य सुख सुविधाऍं उपलब्ध करवाई । खोडियार माताजी की पैदल यात्रा में डी/100 बटा0 आर0ए0एफ0 के जवानों द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

बिहार सेक्टर में सैनिक सम्मेलन

श्री अरूण कुमार, भा0पु0से0, पुलिस महानिरीक्षक, बिहार सेक्टर मुख्यालय, केरिपुबल का बिहार सेक्टर मुख्यालय, केरिपुबल से विदाई होने के क्रम में बिहार सेक्टर मुख्यालय केरिपुबल कैम्पस में दिनांक 20/11/2015 को एक ''सैनिक सम्मेलन'' का आयोजन किया गया जिसमें बिहार राज्य में स्थापित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सभी कार्यालयों के नामित प्रतिनिधि शामिल हुए । बिहार विधानसभा चुनाव 2015 को सफलतापूर्वक करवाने के क्रम में महानिरीक्षक महोदय ने इस सफलता का श्रेय पूरी टीमवर्क को दिया तथा भविष्य में आशा जताई कि सभी अधिकारी एवं जवान इसी टीमवर्क के साथ काम करते रहेंगे और बल की गरिमा को बनाए रखेंगे।



Visit of IG Bihar Sector to Field Formations



Sh. Shailendra Kumar, IG Bihar Sector on taking over visited the field formations and was briefed by the officers regarding on ground.



104 बटा0 आर0ए0एफ0 द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

26वाँ स्थापना दिवस

104 बटालियन आर0ए0एफ0 का 26वाँ स्थापना दिवस दिनांक 1 दिसम्बर, 2015 को श्री अनिल कुमार ध्यानी– कमाण्डेंट 104 बटालियन आर0ए0एफ0 के निर्देशन मे बड़ी धूम–धाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कमाण्डेंट महोदय द्वारा ध्वजारोहण कर जवानो एवं अधिकारियों को 104 वाहिनी के स्थापना एवं उसके द्वारा किये गये कार्यो को दोहराते हुए सभी जवानो एवं अधिकारियों को एक बार फिर संकल्प लेने हेतु कहा कि कोई ऐसा कार्य न किया जाये जिससे कि बल की गरिमा एवं सम्मान को ठेस पहुचे साथ ही प्रत्येक ऐसा कार्य किया जाये कि जिससे 104 बटा0. आर0ए0एफ0 का सम्मान एवं स्थान सर्वोपरि बना रहे।



वाहिनी के स्थापना दिवस के अवसर पर वाहिनी मे जवानों के बीच निबन्ध प्रतियोगिता एवं विभिन्न प्रकार के खेलों का भव्य आयोजन किया गया तथा खिलाड़ियों को श्री अनिल कुमार ध्यानी कमाण्डेंट 104 बटा0 आर0ए0एफ0 अलीगढ़ द्वारा पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर यूनिट के प्रत्येक अन्य सैनिक भोजनालय मे बड़े खाने का आयोजन किया गया जिसमे कमाण्डेंन्ट महोदय सहित समस्त अधिकारी बड़े खाने मे उपस्थित रहे।







बाल दिवस

बाल दिवस के उपलक्ष्य में 104 बटा० द्रुत कार्य बल, अलीगढ़ के परेड ग्राउंड में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चो एवं ने इन कार्यक्रमों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान कई शैक्षिक–सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं हुईं, जिनमें मोंटेसरी स्कूल 104 बटा० द्रुत कार्य बल, के बच्चों ने प्रतिभा प्रदर्शन किया ।

इस दौरान बच्चों ने एकल नृत्य, समूह नृत्य, एकल गान, देशभक्ति समूह गान प्रस्तुत किया । कार्यक्रम में बच्चों ने टोपी पहचान दौड़, जलेबी दौड़ और 50 मीटर रिले दौड़ की प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी तथा इसके लिए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले बच्चों को पुरस्कार भी प्रदान किया गया ।





छठ पर्व

छठ महापर्व के अवसर पर 104 बटा० द्रुत कार्य बल, अलीगढ़ के प्रांगण मे पर्व का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। छठ पूजन की शुरुआत व्रती महिलाओं ने सोमवार को खरना से की और 36 घंटे निर्जल रहकर उपासना की । सूर्यदेव की उपासना का यह पर्व पर व्रती महिलाओं ने विभिन्न पकवानों व फलों को सूप मे सजाकर मंगलवार शाम को अस्तगामी सूर्य को अर्घ्य दिया एवं रात्रि में छठ पूजन के पारंपरिक गीतों के साथ दीप जलाकर पूजा– अर्चना की । बुधवार प्रातः उगते सूर्य को अर्घ्य दिया तथा अपने परिवार के सुख–समृद्धि की कामना के उपरांत जल ग्रहण किया ।





26 बटालियन के विभिन्न कार्यक्रम

राष्ट्रीय एकता दिवस

इस वर्श भारत सरकार के द्वारा हमारे देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री–सह–गृहमंत्री स्वर्गीय सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस 31 अक्टूबर को ''राश्ट्रीय एकता दिवस'' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था । इसी क्रम में चास, बोकारो में स्थित 26 बटालियन, सी0आर0पी0एफ0 द्वारा दिनांक 31/10/2015 को ''राश्ट्रीय एकता दिवस'' मनाया गया ।

इस अवसर पर 26 बटा0, सी.आर.पी.एफ., चास स्थित कैंप में संध्या 1600 बजे परेड ग्राउण्ड में परेड का आयोजन किया गया था। परेड का नेतृत्व श्री मनोज डंग, उप0 कमाण्डेंट ने किया एवं कमाण्डेंट डॉ0 संजय कुमार द्वारा परेड की सलामी ली गई । इस अवसर पर सी0आर0पी0एफ0 के कार्मिकों के परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे । तत्पश्चात् डॉ0 संजय कुमार, कमाण्डेंट द्वारा वहॉ उपस्थित सभी को देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री–सह–गृहमंत्री स्वर्गीय सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन से संबंधित एवं उनके द्वारा किए गए अदभुत कार्य यथा देश स्वतंत्र होने के उपरांत छोटे–बड़े 562 रियासतों को भारतवर्श में शामिल करने संबंधी कार्यों पर संक्षिप्त भाशण दिया गया ।

इसके उपरांत भारत सरकार के द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप कैंप परिसर में स्थित परेड ग्राउण्ड में ही सभी कार्मिकों को देश की आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने हेतु डॉ0 संजय कुमार, कमाण्डेंट द्वारा एक शपथ दिलायी गई एवं अंत में राष्ट्रगान भी गाया गया।





स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर





GC Guwahati organises Children's Day and Blood Donation Camp








Inauguration of Basketball Court at 110 Bn.




Sh S.K. Bhagat, Special DG, J & K Zone inaugurated the basketball court (right), in presence of Sh Nalin Prabhat, IG and other senior officers

176 बटालियन में मना राष्ट्रीय एकता दिवस




ग्रुप केन्द्र, गुडगाँव में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

शहीद सैनिक स्मरण दिवस

ग्रुप केन्द्र केरिपुबल, कादरपुर, गुडगाँव (हरियाणा) के तत्वावधान में दिनांक 31 अक्टूबर, 2015 को राष्ट्रीय एकता दिवस तथा ''शहीद सैनिक स्मरण दिवस'' समारोह का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर माननीय सरदार बल्लभभाई पटेल के जन्म दिवस के उपलक्ष्य पर ग्रुप केन्द्र कैम्प परिसर में जवानों द्वारा मार्च पास्ट किया गया तथा श्री एम.पी.एस.नेगी, निदेशक, केरिपुबल, अकादमी कादरपुर द्वारा श्री डी.एस.लक्खा, पुलिस उप महानिरीक्षक, ग्रुप केन्द्र, गुड़गाँव एवं श्री के.के.सिन्हा, पुलिस उपमहानिरीक्षक, केरिपुबल अकादमी की उपस्थिति में राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की शपथ ली गयी। शहीद सैनिक स्मरण दिवस के अवसर पर हरियाणा राज्य के जिला– महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी, मेवात एवं गुड़गांव के कुल 86 शहीदों के आश्रितों को आमंत्रित किया गया था, जिनमें से 37 शहीदों के आश्रित समारोह मे उपस्थित हुए। सभी उपस्थित आश्रितों की समस्याऐं व्यक्तिगत रूप से श्री दलजीत सिंह लक्खा पुलिस उप महानिरीक्षक ग्रुप केन्द्र गुड़गांव द्वारा सुनी गई तथा समस्याओं के निपटान का प्रयास किया गया।





दीपावली मेला

ग्रुप केन्द्र केरिपुबल, कादरपुर गुडगाँव (हरियाणा) के तत्वधान में भव्य मेले का आयोजन 09 नवम्बर 2015 को किया गया। इस मेले में खाने–पीने, घरेलु सामान, पटाके–मोमवत्ती एवं मनोरंजन की कई स्टॉल लगाई गई। मेले का शुभारम्भ श्री डी0एस0 लक्खा पुलिस उप महानिरीक्षक द्वारा रिवन काटकर तथा दीपक जला कर सुबह 11 बजे किया गया। पाइप बैड, ब्रास बैड तथा आर्केस्ट्रत्रा की टीमें बारी–बारी से पूरा दिन लोगों का मनोरंजन करते रहे। लोगो ने पूरा दिन खरीदारी की तथा मेले का भरपूर आनंद उठाया। शांम को 5 बजे से 7 बजे तक एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने भढ–चढ कर हिस्सा लिया तथा विभिन्ना प्रदेशो के नृत्य तथा लोकगीत प्रस्तुत किए। इसके पश्चात लकी ड्रॉ के माध्यम से 15 विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में श्रीमति रीना लक्खा, क्षेत्रीय कावा अध्यक्षा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम मे भाग लेने वाले बच्चों की पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर ग्रुप केन्द्र के सभी अधीनस्थ अधिकारी/अधिकारी एवं जवानों एवं उनके परिवार उपस्थित थे।





Northern Sector Digest

Best Bn Trophy



Children's Day Celebration



CWA Raising Day



Best Operational Bn Trophy



Rashtriya Ekta Diwas



Diwali Mela at GC G/Noida





Sector Level Lawn Tennis Tournament





Swachh Bharat Abhiyan





Sahid Diwas



Free Eye Check-up Camp



Pulse Polio Camp



Chennai Submerged : GC Avadi Plays Good Samaritan



106 RAF : Performing both Divine and Earthly Duties



The 'Blue-eyed boyz of CRPF : RAF personnel during Rath Yatra in Puri



Deployment of RAF during Ram Navami Festival



RAF personnel during anti-riot duty in Nawadah, Bihar

Promotions



Randeep Dutta
DIG, O/o IG WS to IG O/o SDG CZ



Manoj Kumar Dubey,
DIG (Trg) to IG (Int), Dte



Arun Kumar
DIG, GC BTB to IG (Directorate)

Transfers



K Vijay Kumar, IG
O/o Central Zone to
IG M&N Sector, Imphal



Ajay Kumar Sharma, Comdt
CO (Works) Dte Genl to 164 Bn



Vishnu Gautam, Comdt
GC Noida to Prov Dte (Pol Cell)



Rajeev Kumar, Comdt
10 Bn to Ops Dte



V V N Prasanna Kumar, Comdt
02 Bn to O/o IG CG as CO (Int)



J. Rajendran, Comdt
O/O IG (Ops) CG to GC BLR



N. Shiva Shankara, Comdt
GC Bengaluru to 113 Bn



Raj Kumar, Comdt
102 RAF to 116 Bn



S.S.H. Rizvi, Comdt
113 Bn to 233 (M) Bn



Chhote Lal, Comdt
30 Bn to 210 CoBRA



Joseph Keishing, Comdt
210 Cobra to 173 Bn



Anupam Sharma, Comdt
173 Bn to GC Sonepat



N Kunjarani Devi, Comdt
GC Sonepat to GC Gandhinagar



Puneet Kumar Kauldhar, Comdt
164 Bn to 130 Bn



Rinchen Wangyal Dawa, Comdt
201 CoBRA to 102 RAF



Jagdish Narayan Meena, Comdt
177 Bn to 83 Bn



Lal Chand Yadav, Comdt
83 Bn to 177 Bn

Assignment



Ravindra Bhagat, Comdt
94 Bn to Cont. Comdr, 7th MFPU
under UN Mission Liberia

Repatriation



R.S. Shekhawat, Comdt
ITPO to 02 Bn

Achievements

Operational Achievements



The year that started on a good note ended on a good note too. On the operational front, the year will be remembered as one of the most successful years, wherein not only did the CRPF neutralize some of the most wanted anti-national elements but also suffered the least number of battle casualties i.e. 9, an all time low , in the last 30 years. During the month of November and December 2015, 214 operations were carried wherein which eight maoists in LWE theater and eleven terrorists in J&K were neutralized. In addition, 5 terrorists in J&K, 94 insurgents in North East region and 181 maoists in LWE region were apprehended. A total of 205 different types of sophisticated weapons were recovered from these three important theatres of operation.

CHHATTISGARH

03/11/2015 : 206 CoBRA along with State Police carried out a joint special operation in the general area of village: Arlampalli under PS: Polampalli, Distt: Sukma (Chhattisgarh). In the encounter troops neutralized three maoists during a fierce gunfight and recovered two rifles from their possession.

06/11/2015 : On specific information, CRPF troops (204 CoBRA) alongwith State Police carried out area domination in the general area between villages Tarrem & Silger, under PS: Basaguda, Distt: Bijapur(CG). During operation the maoists blasted an IED followed by indiscriminate fire. The troops counter-attacked the maoists and gunned down one of their cadres. One country made 12 Bore Gun, three rounds of 12 bore ammunition, five detonators, five Gelatin sticks, one Flash Camera IED, four Tiffin Box IEDs and other incriminating items were recovered from the place of encounter.



19/11/2015 : On specific information, CRPF troops (208 CoBRA, 217 & 219 Bn) alongwith State Police carried out a joint search operation in the general area of villages Kolaiguda and Entapad, PS Bheji, Distt: Sukma(CG). During the operation an encounter took place between troops and maoists. After the encounter troops searched the area and recovered dead bodies of two maoists namely Aas Jogi (In-charge Military Intelligence, Konta Area) and Madkam Mukka @ Bhaskar (LOS Commander, Konta Area). One Country Made Gun, 31 rounds of INSAS Amns, 22 rounds of 12 Bore ammunition, one country made Grenade and other incriminating items were also recovered from the encounter site.



ODISHA

11/11/2015 : On specific information, CRPF troops (19 Bn) alongwith State Police carried out search operation in the general area of village: Gahami, under PS: Chandiposh, Distt: Sundergarh (Odisha). During operation an encounter broke out with maoists. In the encounter troops neutralized a maoist namely Sangram Bari (r/o Jharkhand). Two 303 rifles, 113 rounds of .303 ammunition, two magazines and other incriminating items were recovered from the encounter site.

11/11/2015 : On specific information, CRPF troops (19 Bn) alongwith State Police carried out combing and search operation in the jungle area of Asurkhol Pahar under PS:



Chandiposh, Distt: Sundergarh (Odisha). During operation an encounter broke out with maoists. In the encounter troops neutralized a maoist and recovered two 303 rifles, two country made hand grenades, 171 live ammunitions, one SLR magazine and other incriminating items from the encounter site.

JAMMU & KASHMIR

23/11/2015 : On specific information, CRPF troops (162 Bn) alongwith 41 RR, 4 PARA, 9 PARA and SOG Kupwara carried out cordon and search operation of village: Manigarh under PS & Distt: Kupwara (J&K). During the operation, a fierce encounter took place between security forces and terrorists. During post encounter search troops recovered dead body of a militant in combat uniform. One AK-47 rifle with two magazines, one pistol with two magazines, 30 rounds of AK-47, four UBGL ammunitions, one Grenade and other incriminating items were also recovered from the encounter site.

23/11/2015 : On specific information, CRPF troops (40 Bn) alongwith State Police and 3 RR carried out a joint search operation in the general area of village: Aishmuqam under PS: Aishmuqam, Distt: Anantnag (J&K). During the operation an encounter between security forces and terrorists took place. After encounter troops searched the area and recovered 03 dead bodies of H M terrorists namely Tanveer Ah. Bhatt @ Abu Bakar (r/o J&K), Adil Ahmed Seikh(r/o J&K) and Sartaz Ahmed Lone(r/o Wobjan, J&K). Two AK-47 rifles with six magazines, one pistol, 110 rounds of AK-47, two rounds of pistol , two Chinese grenades, three UBGL grenades, one Gas grenade and other incriminating items were also recovered from the place of encounter.

04/12/2015 : On specific information, CRPF troops (92 Bn & 98 Bn) along with 21 RR and State Police carried out a joint special operation in Bawan forest under PS: Handwara, Distt: Kupwara (J&K). During the operation a fierce encounter between terrorists and security forces took place. During post encounter search troops recovered two dead bodies of unidentified terrorists alongwith two AK-47 rifles, 132 rounds of AK-47, one UBGL, nine AK-47 magazines and other incriminating items from the encounter site.

08/12/2015 : CRPF troops (23 Bn & 110 Bn) alongwith SOG and JKP laid a joint NAKA at National Highway under PS: Pampore, Distt: Pulwama(J&K). As the troops ordered a suspected vehicle to stop, the terrorists on-board opened indiscriminate fire. The troops retaliated immediately and a fierce encounter at a close distance took place. In the encounter troops neutralized two terrorists and recovered one AK-47 rifle, one pistol, two hand grenades, 28 rounds of AK-47, eight rounds of 9 mm, two magazines of AK-47 and two magazines of pistol from the possession of slain terrorists. Three personnel of 23 Bn CRPF also got injured during the encounter.



24/12/2015 : On specific information, CRPF troops (3 Bn & 45 Bn) alongwith 13 RR, SOG & State Police carried out a joint search operation in the general area of village Dudwan, PS-Sumbal, Distt: Bandipora (J&K). During operation an encounter took place between troops and terrorists in which one LeT terrorist namely Omais Farooq Sheikh @ Hamza (22 years, r/o Pulwama) was neutralized. One Chinese pistol alongwith magazine and eight rounds were also recovered from the slain terrorist.

30/12/2015 : On specific information, CRPF troops (182 Bn) alongwith 53 RR and SOG Pulwama carried out cordon and search of village Gusoo under PS & Distt: Pulwama (J&K). During the operation, two terrorists namely Manzoor Ahmed (r/o Pulwama) and another foreign militant were neutralized by the troops after a fierce encounter. Two AK-47 rifles, one hand grenade and five magazines were also recovered from the slain terrorists.

OTHER RECOVERIES BY CRPF



Sockets of Anti-Personnel Mines recovered in Jharkhand by 26 Bn.



Detonators and gelatin sticks recovered in Assam



Troops of 203 CoBRA and 214 Bn recovered IEDs in Jharkhand.

DG's COMMENDATION DISCS

In recognition to the operational achievements made during the month of November and December across the three operational theatres, 135 officers/men have been decorated with DG's Commendation Disc.

Other Significant Achievements

Recruitment Branch

Achievements achieved during the months of November & December, 2015 are as under:-

a) Total 55 (Male-51 & Female-04) vacancies of SI/GD through LDCE have been released. Application have been called for by online mode. IG, Central Sector is entrusted the responsibility for conducting the examination as per the schedule. GC Kathgodam is detailed as nodal centre/GC. Written exam conducted on 29/11/15. Recruitment is under process.

b) 1641 (Male-1580 & Female-61) vacancies of HC/GD through LDCE have been released. Applications have been called for by online mode. GC Kathgodam is detailed as Nodal Centre/GC for scrutiny of application atc. Scrutiny of application is underway at GC Kathgodam.

c) 11 vacancies of ASI(Steno) LDCE have been released. Responsibility (ASI/Steno-11) to conduct said recruitment was assigned to IG Southern Sector. GC Rangareddy is detailed as nodal centre/GC. Application have been called for by online mode.

d) 24588 vacancies (Male-22623 & Female-1965) have been intimated to MHA/SSC for recruitment to the post of Ct/GD for the year 2015-16 . CRPF is Nodal force declared by MHA. PST/PET has been completed. Written exam completed on 04/10/15 and result is awaited from SSC.

e) 34 cases of compassionate appointment to NOKs of deceased have been finalized during the month of November and December, 2015.

Provision Branch

a) Sanction to the tune for Rs. 1,76,29,442/- issued for procurement of 45,570 meters light shade disruptive pattern "NYCO" cloth for COBRA and supply order placed on the same day.

b) Sanction issued for Rs. 3,52,55,178/- on 15/12/15 for procurement of 95130 meters dark shade cloth of disruptive pattern "NYCO" cloth on 15/12/15 and supply order placed.

Welfare Branch

a) As per decision taken at point No.-3(CWF) of above meeting, Immediate Financial Assistance to NOK in death cases has been increased from Rs. 20,000/- to Rs. 50,000/- w.e.f. 01/01/2016. The amount will be paid immediately by the concerned office/Unit/Institution and thereafter Rs. 30,000/- will be recouped/returned to office/Unit/Institution from CWF Dte.

Sports Events



HC/GD(Mahila) Pooja Kadian won Silver Medal in 75 Kg Weight Category in the 13th World Wushu Championship at Jakarta, Indonesia held from 11th to 18th November, 2015



CRPF Badminton Team has secured Team Championship in All India Police Badminton Championship 2015 in New Delhi. They received trophy from Sh. Rajnath Singh, Hon'ble Union Home Minister .



ism, Maoist activities contained to extent: Rajnath

LUCKNOW: The Central Government has achieved success in containing extremism, terrorism and Maoist activities in the country to a large extent, Union Home Minister Rajnath Singh said on Monday.

Mr. Singh was laying the foundation stone of Lucknow office of National Investigation Agency (NIA) here.

"NIA investigates complicated criminal cases...extremists, terrorists and Maoists have involvement at the global level and so the role of this investigating agency becomes more challenging," Mr. Singh said.

Terming terrorism, extremism and Maoist activities as the biggest challenges faced by the country, Mr. Singh stressed on equipping investigating agencies with modern techniques and so the in... agencies also have t... techniques," Mr. Sin...

"The manner in w... NIA has been working, not only the people of the country but also of the entire world have started believing that it is the best agency working in a professional, unbiased and trustworthy manner," he said.

Referring to the emergence of ISIS as a new and serious danger before the world, he said the number of its activists in the country is almost nil and the biggest reason is that Indian ... shop their chil...

आईएस... माओवादियों के तार !

पुलिस दबाव के चलते आईएस से कर रहे संपर्क

ऐसा पहली बार नहीं

पोस्टमास्टर को अगवा किया माओवादियों ने

सीआरपीएफ का स्थायी पवेलियन बने : सलमा

नई दिल्ली (एसएनबी)। बुधवार को ट्रेड फेयर देखने उपराष्ट्रपति की पत्नी सलमा अंसारी पहुंचीं और वहां सीआरपीएफ पवेलियन को देखा। पवेलियन को देखने के बाद सलमा अंसारी ने दर्शकों से बातचीत करने के बाद कहा कि देश की रक्षा में जान गंवाने वाले सीआरपीएफ के बारे में आम जनता को बहुत कम जानकारी है। खास कर कोबरा कमांडो के बारे में तो लोग जानते ही नहीं हैं। ट्रेड फेयर में हर साल ...

■ उपराष्ट्रपति की पत्नी सलमा अंसारी पहुंचीं ट्रेड फेयर

1965 में हुई थी सीआरपीएफ के जवानों

Top Maoist leader Gajarla surrend

OMER FAROOQ ■ HYDERABAD

In a major setback to the outlawed CPI (Maoist), one of its senior most leaders has surrendered to the police, sources said. ... was speculated ... alias ...

the court.

Gajarla Ashok was the secretary of Dandakaraniya Committee of the CPI (Maoist) and carried a reward of ₹20 lakh over his head. Sources said that he decided to surrender because of his ill health. Ashok hails from Velishala village ... Chityala mandal of ...

police in 2009.

For the CPI Ma... setback came even ... isation was trying ... regroup itself in ... resume its activiti...

In another i... and the Maoists ... in Pembi forest ... Adilabad distri... Police found b... scene of the e... Maoists mana... believe that a... died in the ...

37 IEDs seized from J'khand's Latehar jungles

PNS ■ DALTONGANJ

Huge cache of explosives ... been unearthed three ... kilometre south west of ... Mandar under Garu in Latehar district, said Deputy Inspector General (DIG) of Police Palamu Saket Kumar Singh.

A joint team of CoBRA ... Jharkhand Jaguar (JJ), CRPF ... small contingent of ...

Jharkhand Jaguar ... Palamu DIG was all praise for Garu's SP Bhim Sen Tuti who not only collected the precise input but shared it most intelligently with the Latehar police and thus led to the haul of 37 IEDs and 22 hand made grenades.

Saket said, "This ... IEDs recovered ... said "It could be but there is also a possibility that Maoists used to spend some time here too in this belt." The entire joint operation went on for more than 48 hours in which the security forces spent their ... nights in jungles, said ...

अर्धसैनिक बलों में भी मिले शहीद का दर्जा

नई दिल्ली | पीयूष पांडेय

अर्धसैनिक बल के जवानों को शहीद का दर्जा दिए जाने की सिफारिश सातवें वेतन आयोग ने केंद्र सरकार से की है। देश के भीतर और सीमाओं पर सुरक्षा देने वाले अर्धसैनिक बलों को शहीद का दर्जा दिए जाने की मांग कई बार उठ चुकी है।

जस्टिस माथुर की ओर से की गई सिफारिश में कहा गया है कि आयोग का विचार है कि कर्तव्य निभाते हुए जान गंवाने वाले अर्धसैनिक बलों को शहीद

रक्षा बलों को दिया जाता है। रिपोर्ट में सशस्त्र सेना के जवानों के लिए आयोग की ओर से विकलांगता पेंशन भी दिए जाने की सिफारिश की गई है। सिफारिश में कहा गया है कि स्लैब के लिए हिसाब से यह पेंशन दिए जाने पर विचार किया जाना चाहिए। जस्टिस माथुर ने रिपोर्ट में रक्षा बलों और अर्धसैनिक बलों के आश्रित को अनुग्रह राशि दिए जाने में विचार कर बदलाव करने को कहा है। साथ ही अर्धसैनिक बलों की सेवानिवृत्ति

Gallant officer of C... rates the CRPF Sta... presence of Prakas...

GENDER EQUITY

33% quota for women in force

Rajnath makes announcement in Parliament; achieving the target a huge task, say offi...

VIJAITA SINGH

NEW DELHI: Union Home Minister Rajnath Singh told Parliament on Thursday that the government was considering 33 per cent reservation for women in the paramilitary forces.

The announcement comes despite the forces struggling to fill even the five per cent quota decided during the UPA government's tenure.

According to the data available with the Ministry of Home Affairs (MHA), women comprise only 2.04 per cent of the paramilitary forces. Forces like the Cen... largest paramilitary force deployed in the country for law and order duties as well as in the Left-wing extremism-hit areas, has only 6,254 women in its fold.

Mr. Singh told Parliament, "Babasaheb Bhimrao Ambedkar advocated social security for women and in this regard, the government has taken an important step, which is related to the Ministry of Home Affairs. We have decided that there should be 33 per cent reservation for women in all ... such an announcement ... officials said it was ... uncertainties which ... biggest hurdle. ... State governments ... may not agree with ... are over this and the ... Home Affairs ... to control over ... only, there are pra... difficulties is emplo... women in paramilitary forces as there are few ... rs for jobs in difficult terrain and border areas, said an official.

TOWARDS INCLUSION

Women form just 2.04 percent of paramilitary forces

	Total strength	Women
CRPF	3,01,882	6,234
BSF	2,56,876	4,555
CISF	1,42,217	6,250
ITBP	89,438	1,661
SSB	94,170	1,790
Assam Rifles	66,411	603

सीआरपीएफ ने जीता दिल्ली स्टेट वालीबाल का खिताब

नई दिल्ली, (खेल प्रतिनिधि): दिल्ली राज्य पुरुष एवं महिला सीनियर वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन लक्ष्मी चन्द्रिक स्कूल कड़कड़डूमा में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला वर्ग में 47 टीमों ने भाग लिया। आयोजन सचिव श्री धर्मपाल डबास ने बताया कि पुरुष वर्ग में सीआरपीएफ ने आर्पन क्लब को 25-21, 25-17, 25-20 से पराजित कर विजयश्री प्राप्त की एवं महिला वर्ग में बहुत ही संघर्षपूर्ण मैच में जीती क्लब को पराजित कर 25-23, 24-26, 25-22, 19-25 व 15-13 से पराजित



टीमों को विजयी ट्रॉफी, चक्रद राशि ... सीनियर नेशनल वालीबॉल प्रतियोगिता जीतने 2 जन...



TARGET ORIENTED : Sh Prakash Mishra, DG CRPF with an AK series rifle (with mounted sight) during the Provisioning Conference



The Parliamentary Standing Committee on MHA recently visited the Group Centre, Siliguri (W.B.). The committee is seen visiting the Montessori School of the GC



Sh. Prakash Mishra, DG CRPF with Sh. P.V.K. Reddy, ADG (Hqr) in CRPF stall at the India International Trade Fair (IITF) - 2015, Pragati Maidan, New Delhi